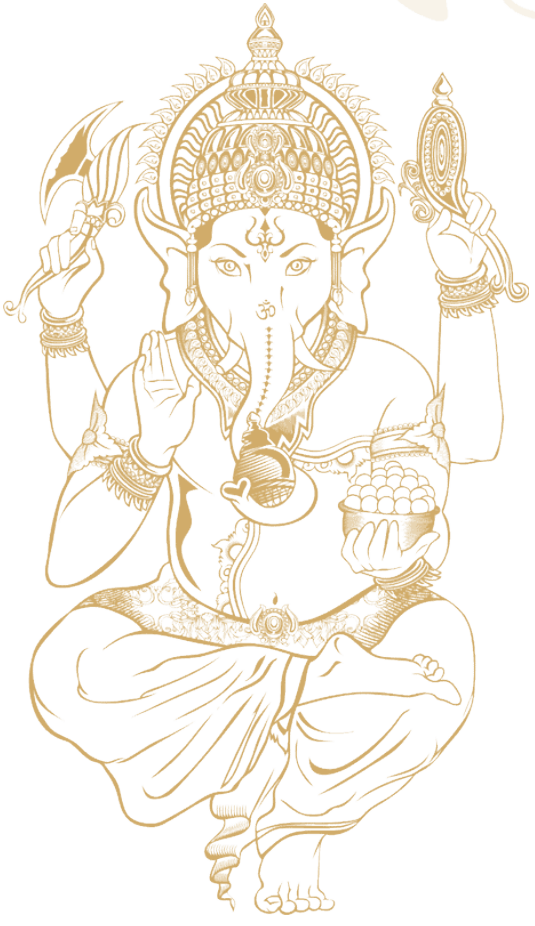

Mr.Pranit

03 Oct 1986

07:00 AM

Vrindavan

Model: web-freekundliweb

Order No: 120174309

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/10/1986**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	01:58:06 घटी
स्थान	**Vrindavan**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:35:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:40:48 घंटे
वेलान्तर	00:10:49 घंटे
साम्पातिक काल	07:26:40 घंटे
सूर्योदय	06:12:45 घंटे
सूर्यास्त	18:03:36 घंटे
दिनमान	11:50:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:52:52 कन्या
लग्न के अंश	25:31:29 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	25:31:29	317:54:39	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
सूर्य			कन्या	15:52:52	00:59:05	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	06:35:20	13:41:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			मक	03:09:15	00:30:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			तुला	04:57:16	01:27:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	21:25:35	00:06:32	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	23:51:54	00:25:35	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			वृश्चि	11:52:38	00:04:57	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:12:14	00:01:00	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:12:14	00:01:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	25:14:30	00:01:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:27:36	00:00:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:31:23	00:02:13	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	26:21:17	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:12

लग्न-चलित

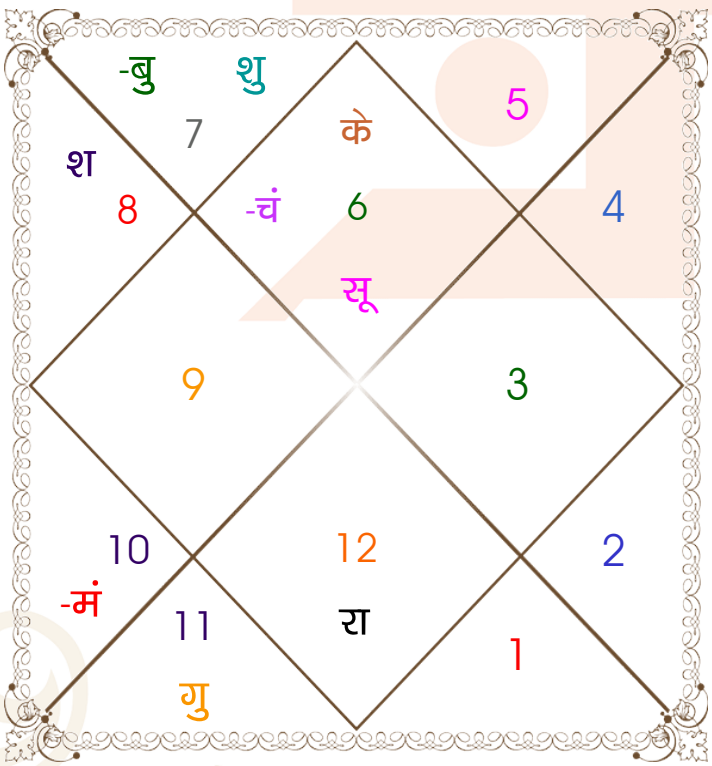

चन्द्र कुंडली

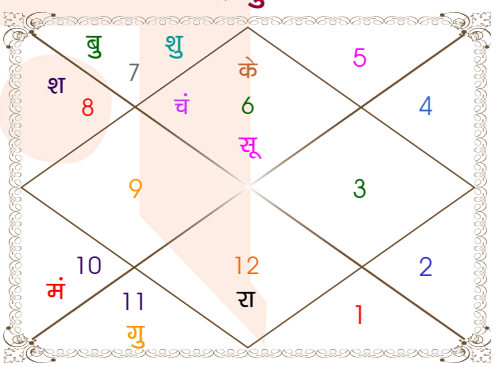

नवमांश कुंडली

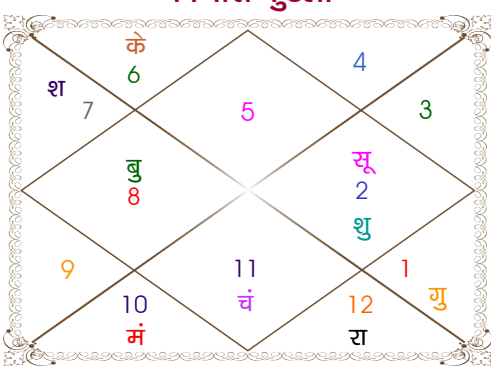

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 6 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/10/1986		15/04/1988		16/04/1998		16/04/2005		16/04/2023	
15/04/1988		16/04/1998		16/04/2005		16/04/2023		16/04/2039	
	00/00/0000	चंद्र	14/02/1989	मंगल	12/09/1998	राहु	28/12/2007	गुरु	03/06/2025
	00/00/0000	मंगल	15/09/1989	राहु	01/10/1999	गुरु	22/05/2010	शनि	16/12/2027
	00/00/0000	राहु	17/03/1991	गुरु	06/09/2000	शनि	28/03/2013	बुध	23/03/2030
	00/00/0000	गुरु	16/07/1992	शनि	15/10/2001	बुध	16/10/2015	केतु	27/02/2031
	00/00/0000	शनि	14/02/1994	बुध	13/10/2002	केतु	02/11/2016	शुक्र	28/10/2033
	03/10/1986	बुध	17/07/1995	केतु	11/03/2003	शुक्र	03/11/2019	सूर्य	16/08/2034
बुध	09/12/1986	केतु	15/02/1996	शुक्र	10/05/2004	सूर्य	27/09/2020	चंद्र	16/12/2035
केतु	16/04/1987	शुक्र	15/10/1997	सूर्य	15/09/2004	चंद्र	29/03/2022	मंगल	21/11/2036
शुक्र	15/04/1988	सूर्य	16/04/1998	चंद्र	16/04/2005	मंगल	16/04/2023	राहु	16/04/2039

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/04/2039		16/04/2058		16/04/2075		16/04/2082		17/04/2102	
16/04/2058		16/04/2075		16/04/2082		17/04/2102		00/00/0000	
शनि	19/04/2042	बुध	12/09/2060	केतु	12/09/2075	शुक्र	15/08/2085	सूर्य	05/08/2102
बुध	27/12/2044	केतु	09/09/2061	शुक्र	11/11/2076	सूर्य	16/08/2086	चंद्र	03/02/2103
केतु	05/02/2046	शुक्र	10/07/2064	सूर्य	19/03/2077	चंद्र	15/04/2088	मंगल	11/06/2103
शुक्र	07/04/2049	सूर्य	16/05/2065	चंद्र	18/10/2077	मंगल	16/06/2089	राहु	05/05/2104
सूर्य	20/03/2050	चंद्र	16/10/2066	मंगल	17/03/2078	राहु	15/06/2092	गुरु	21/02/2105
चंद्र	19/10/2051	मंगल	13/10/2067	राहु	04/04/2079	गुरु	14/02/2095	शनि	03/02/2106
मंगल	27/11/2052	राहु	01/05/2070	गुरु	10/03/2080	शनि	16/04/2098	बुध	04/10/2106
राहु	04/10/2055	गुरु	06/08/2072	शनि	19/04/2081	बुध	15/02/2101		00/00/0000
गुरु	16/04/2058	शनि	16/04/2075	बुध	16/04/2082	केतु	17/04/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।